भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा

वार्षिक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर

18–20 जनवरी, 2020, ट्रेनर– आशीष शर्मा, कोर आफिसर, सेण्ट जॉन एम्बूलेन्स

दिनांक 18 से 20 जनवरी 2020 के मध्य भारतीय रेड क्रास सोसायटी की लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा में प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण सेण्ट जॉन एम्बूलेन्स बिग्रेड के कोर आफिसर आशीष शर्मा द्वारा दिया गया। इसका उद्घाटन डॉ0 मधु गैरोला– मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ0 राजेश श्रीवास्तव– कोषाध्यक्ष, जनपदीय रेड क्रास सोसायटी, उमेश शाह– सचिव प्रबन्ध समिति एवं डॉ0 वन्दना सारस्वत– प्राचार्य द्वारा तथा समापन डॉ0 ए0पी0 मिश्रा– मुख्य चिकित्साधीक्षक, जिला महिला अस्पताल, डॉ0 अनिल कुमार– निश्चेतक, जिला महिला अस्पताल एवं डॉ0 वन्दना सारस्वत– प्राचार्य द्वारा किया गया।

तीन दिनों के प्रशिक्षण में जीवन रक्षा के सुनहरे नियमों – डी0आर0ए0बी0सी0 पर प्रकाश डाला गया। इसमें, घायल, स्वयं एवं अन्य किसी की जान को खतरे का आभास करना, घायल की प्रतिक्रिया लेना, उसकी श्वॉस नली, श्वॉस तथा रक्तसंचार की जॉच शामिल है, ताकि समय रहते मरीज की जान बचाई जा सके। शरीर संरचना तथा रक्त संचरण, कृत्रिम श्वसन, तिकोनी पट्टी के विभिन्न प्रयोग, मरीज का परिवहन, घाव का प्राथमिक उपचार, कुत्ते या सॉप के काटने तथा जहर जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण हेतु सोशल मीडिया का प्रयोग एवं ब्रेनस्टार्मिंग विधि के प्रयोग की जानकारी दी गयी।

मरीज के परिवहन की अनेक विधियों यथा अकेले होने पर मरीज को पीठ पर लाद कर ले जाना, गोद में ले जाना या स्वयं को बैसाखी की तरह बनाकर मरीज को ले जाना, दो सहायक होने पर हाथों को सीट बनाकर, एक व्यक्ति आगे और दूसरा व्यक्ति पीछे रहकर या कुर्सी का प्रयोग करके, अधिक सहायक होने पर हाथों की खाट बनाकर या स्कार्फ की सहायता से या शर्ट का स्ट्रेचर बनाकर मरीज के परिवहन का प्रशिक्षण दिया गया।

कृत्रिम श्वसन का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसमें किसी व्यक्ति की धड़कन या सांस रूक जाने पर सी0पी0आर0 विधि द्वारा बेहोश व्यक्ति को सांसे दी जाती हैं, जिससे फेफड़ों को ऑक्सीजन मिलती है और साँस वापस आने तक या दिल की धड़कन सामान्य होने तक छाती को विशेष प्रकार से दबाया जाता है जिससे शरीर में पहले से मौजूद आक्सीजन वाला खून संचारित होता रहता है। लेकिन इसका प्रयोग केवल प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है।

स्वयंसेवक रितिका सिंह, प्रदीप प्रजापति, मोहम्मद शरीफ एवं कोमल द्विवेदी ने फीडबैक दिया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में मानवीय संवेदना उत्पन्न करने में अत्यन्त उपयोगी होगा।

'रेड क्रास का इतिहास' विषय पर हुई लेखन प्रतियोगिता में पूर्णिमा पाण्डेय को प्रथम, प्रदीप कुमार यादव को द्वितीय तथा आशीष कुमार मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

पूजा तिवारी को सर्वश्रेष्ठ महिला स्वयंसेवक एवं प्रदीप कुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ पुरूष स्वयंसेवक का पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष भर सक्रिय रहने वाले स्वयंसेवकों– अनुज कुमार यादव, शेष नाथ, अर्जुन कश्यप, सरोजनी कुमारी, राज कुमार यादव, अभिजीत यश भारती, स्नेहलता, प्रदीप प्रजापति, अशीष कुमार मिश्रा, बिन्दू वर्मा, डॉली कुमारी एवं काजल यादव को उत्कृष्ट स्वयंसेवक का पुरस्कार प्रदान किया गया। पूर्व स्वयंसेवकों विकास तिवारी, संदीप कुमार मिश्रा एवं प्रेम नाथ मौर्य को उनके सहयोग हेतु सम्मानित किया गया।

गोंडा जागरण

6 दैनिक जागरण लखनऊ, 19 जनवरी 2020

रेडक्रॉस सोसायटी का तीन दिवसीय शिविर शुरू

संवादसूत्र, गोंडा : रेडक्रॉस सोसायटी का प्राथमिक उपचार पर आधारित तीन दिवसीय शिविर शनिवार को शहर के श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज में शुरू हुआ। सीएमओ डॉ. मधु गैरोला, सोसायटी के कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश श्रीवास्तव व सचिव प्रबंध समिति उमेश शाह ने संयुक्त रूप से किया। रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. राजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले शिविर में रेडक्रॉस के स्वयंसेवक सीनियर इन फर्स्ट एड, वाउचर इन फर्स्ट एड व मेडेलियन इन फर्स्ट एड के लिए प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। सीएमओ ने कहा कि एनसीसी, एनएसएस व रेडक्रॉस को संयुक्त रूप से कार्य करते हुए प्राथमिक चिकित्सा पर बल देना चाहिए। उन्होंने रेडक्रॉस इकाई द्वारा बनाए गए सेल्फी बूथ का निरीक्षण किया और सेल्फी ली। ट्रेनर आशीष शर्मा ने प्राथमिक चिकित्सा के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि ये सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। यदि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को उचित प्राथमिक उपचार मिल जाए तो उसके जीवन की रक्षा की जा सकती है। इस दौरान डॉ. आरबीएस बघेल, डॉ. समित पटेल, डॉ. शैलेंद्रनाथ मिश्र मौजूद रहे।

प्राथमिक उपचार के प्रशिक्षण में उत्कृष्ट स्वयंसेवक सम्मानित

गोंडा। प्राथमिक उपचार पर आधारित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में उत्कृष्ट स्वयंसेवकों सम्मानित किया गया। शिविर का आयोजन भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज यूनिट में किया गया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज में हुआ आयोजन

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एपी मिश्रा मुख्य चिकित्सा धीक्षक, जिला महिला अस्पताल व विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार निश्चेतक, जिला महिला अस्पताल रहे। समापन समारोह में प्राचार्य डॉ. वन्दना सारस्वत ने छात्राओं को प्रेरित किया। स्वयंसेवकों ने अतिथियों के समक्ष प्राथमिक चिकित्सा पर आधारित पाठों का प्रदर्शन किया। स्वयंसेवक रितिका सिंह, प्रदीप प्रजापति, मोहम्मद शरीफ एवं कोमल द्विवेदी ने फीडबैक दिया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में मानवीय संवेदना उत्पन्न करने में अत्यंत उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि डॉ. एपी मिश्रा ने कहा कि विकसित देशों में बच्चों को ही प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे विषम परिस्थितियों का सामना कर सकें। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि यूरोपियन देशों में सड़क के किनारे प्राथमिक उपचार की किट उपलब्ध रहती है। लेकिन भारत जैसे देश में अभी प्राथमिक प्रशिक्षण की व्यापक आवश्यकता है। रेडक्रॉस का इतिहास विषय पर हुई लेखन प्रतियोगिता में पूर्णिमा पांडेय को प्रथम, प्रदीप कुमार यादव को द्वितीय तथा आशीष कुमार मिश्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पूजा तिवारी को सर्वश्रेष्ठ महिला स्वयंसेवक एवं प्रदीप कुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ पुरुष स्वयंसेवक का पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष भर सक्रिय रहने वाले स्वयं सेवकों अनुज कुमार यादव, शेष नाथ, अर्जुन कश्यप, सरोजनी कुमारी, राज कुमार यादव, अभिजीत यश भारती, स्नेहलता, प्रदीप प्रजापति, अशीष कुमार मिश्रा, बिन्दू वर्मा, डॉली कुमारी एवं काजल यादव को उत्कृष्ट स्वयंसेवक का पुरस्कार प्रदान किया गया। पूर्व स्वयं सेवकों विकास तिवारी, संदीप कुमार मिश्रा एवं प्रेम नाथ मौर्य को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। कोर आफिसर प्रशिक्षक आशीष शर्मा ने प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित तिकोनी पट्टी के विभिन्न प्रयोगों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर मेजर डॉ. संजय कुमार पांडेय, डॉ. वीसीएचएनके श्रीनिवासा राव, डॉ. रंजन शर्मा, डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र, डॉ. मंशाराम वर्मा, डॉ. ममता शुक्ला, राकेश कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी देते व उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को सम्मानित करते प्रशिक्षक।

बुधवार • 22.01.2020 2 गोंडा

lucknow.amarujala.com

एनएसएस व रेडक्रास संयुक्त रूप से करें कार्य

रेडक्रास सोसाइटी के स्वयंसेवियों को मिला प्रशिक्षण

मानव जीवन में रेडक्रास की उपयोगिता पर चर्चा

गोण्डा (एसएनबी)। भारतीय रेडक्रास सोसाइटी की लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज युनिट की ओर से प्राथमिक उपचार को लेकर तीन दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मधु गैरोला, रेडक्रास सोसाइटी के जनपदीय कोषाध्यक्ष डा राजेश श्रीवास्तव तथा कालेज के सचिव उमेश शाह द्वारा किया गया। सीएमओ डा गैरोला ने एनसीसी, एनएसएस तथा रेडक्रास को संयुक्त रूप से कार्य करने पर बल दिया। डा. राजेश श्रीवास्तव ने कालेज इकाई की सराहना की। डा जितेन्द्र सिंह ने रेडक्रास के मानव जीवन में उपयोगिता पर चर्चा की। प्राचार्या डा वंदना सारस्वत ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया।

रेडक्रास के प्रभारी डा राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन में स्वयंसेवकों को सीनियर इन फर्स्ट एड, वाउचर इन फर्स्टएड तथ मेडेलियन इन फर्स्डएड का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में उत्तीर्ण स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जायेगा। ट्रेनर आशीष शर्मा ने स्वयंसेवकों को दुर्घटना के दौरान अपनाने वाले तरीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर डा आरबीएस बघेल, डा रामित्त पांडेय, डा शैलेन्द्र नाथ मिश्रा, डा जयशंकर तिवारी, डा अरुण प्रताप सिंह, डा वीसी एचएनके श्रीवासाराव, डा विश्वदीपक त्रिपाठी, डा दिलीप सिंह, डा रामसमुझ सिंह, डा ममता शुक्ला, डा राकेश कुमार, संदीप कुमार मिश्र, विकास तिवारी, प्रेमनाथ मौर्य आदि मौजूद रहे।

रेडक्रास सोसाइटी के प्रशिक्षण शिविर में मौजूद सीएमओ, प्राचार्या व अन्य

अपना शहर गोण्डा 3

लखनऊ। रविवार • 19 जनवरी • 2020